an>

Title: Need to promote sites of cultural heritage in Sidhi district, Madhya Pradesh and also take measures to promote tourism in the region.

श्रीमती रीती पाठक(सीधी)ः मेरा संसदीय क्षेत्र सीधी 'विन्ध्य क्षेत्र' की धार्मिक, ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों का बड़ा केन्द्र है। जिसे अगर पर्यटन की दृष्टि से देखें तो सीधी जिले में गोपद व बनास के संगम पर अवस्थित भगवान शिव का चन्द्रेह मन्दिर, जिसे प्रथम गद्य साहित्य के प्रणेता महाकवि बाण-भट्ट की कर्मस्थली व 'कादम्बरी' की रचना स्थली के रूप में जाना जाता है। जहां पहुंचने पर आज भी एक अलग सी शान्ति व आध्यात्म की अनुभूति होती है। वहीं इसी जिले में घेघरा में स्थित मां चण्डी का प्रसिद्ध मन्दिर है जिसके संदर्भ में यह जन स्तुति और कुछ इतिहास विदों की मान्यता है कि अकबर के नौ रत्नों में एक बीरबल की साधना स्थली भी यही है।

अगर प्राकृतिक, सौन्दर्य की बात करें तो बहती हुई नदियों से घिरे इस क्षेत्र में जहां सोन घड़ियाल अभ्यारण्य स्थित है तो दूसरी ओर पुरातत्वविदों के अनुसार 10वीं सदी की निर्मित व मनमोहक भगवान चतुर्भुज की मूर्ति जो सिंगरौली जिले के पड़री ग्राम में स्थित है। साथ ही माड़ा की गुफाओं की बात करें तो मान्यताएं चौथी व पांचवीं सदी की है जहां भगवान शिव के अनन्य स्वरूपों को देखा जा सकता है।

अतः मेरा माननीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री जी से अनुरोध है कि हमारे लोक सभा क्षेत्र में स्थित अत्यंत प्राकृतिक धरोहरों को ध्यान में रखकर इन स्थलों के प्रचार-प्रसार व विकास हेतु समुचित प्रयास करने की कृपा करें जो पर्यटन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।